

ASHA ARCHIVES

889

SHRIMATI

ASHA ARCHIVES



[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
 कृष्णाय नमः ॥ २ ॥  
 कृष्णाय नमः ॥ ३ ॥  
 कृष्णाय नमः ॥ ४ ॥  
 कृष्णाय नमः ॥ ५ ॥  
 कृष्णाय नमः ॥ ६ ॥  
 कृष्णाय नमः ॥ ७ ॥  
 कृष्णाय नमः ॥ ८ ॥  
 कृष्णाय नमः ॥ ९ ॥  
 कृष्णाय नमः ॥ १० ॥

१०२

कृष्णाय नमः ॥ ११ ॥  
 कृष्णाय नमः ॥ १२ ॥  
 कृष्णाय नमः ॥ १३ ॥  
 कृष्णाय नमः ॥ १४ ॥  
 कृष्णाय नमः ॥ १५ ॥  
 कृष्णाय नमः ॥ १६ ॥  
 कृष्णाय नमः ॥ १७ ॥  
 कृष्णाय नमः ॥ १८ ॥  
 कृष्णाय नमः ॥ १९ ॥  
 कृष्णाय नमः ॥ २० ॥











[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



















[illegible]



ॐ नमः श्रीगुरु कालिकाय ॥ गुरुतमस्तु ॥ ॐ श्रीगुरु कालिकाय नमः  
 याद ॥ ॐ तिष्ठति नमः ॥ ॥ गता न्यासं कथयति ॥ ॐ महावधुया गंधव्रीत्र  
 म्वायाद ॥ हस्तया ॥ ॐ गुरु ॥ मं कथु ॥ हां ददय ॥ वं क ॥ ॐ ताल ॥ यां विन्द ॥ ॐ  
 वक्र नक्ष ॥ ॐ शिव ॥ ॐ निखा ॥ ॐ तिष्ठति कर्म न्यास ॥ ॥ ॐ महावधुया ग  
 ध्वव्रीत्र म्वायाद ॥ नाहि ॥ ॐ त्यादिगुकार्क ॥ ॐ तिष्ठति कर्म न्यास ॥ २ ॥ ॐ गुरु  
 क ॥ ॐ त्यादिनिखा यथर्क ॥ ॐ तिष्ठति कर्म न्यास ॥ ३ ॥ ॐ ताल ॥ ॐ त्यादि क  
 षयथर्क ॥ ॐ तिष्ठति कर्म न्यास ॥ ४ ॥ ॐ विन्द ॥ ॐ त्यादि ताल यथर्क ॥ ॐ

ॐ तियथय कालिकायास ॥ ॥

तिस्तासु कर्म न्यास ॥ १ ॥ ॐ गुरु ॥ ॐ तिष्ठति ॥ ॐ मध ॥ ॐ नाहि ॥ मं ददय ॥  
 हां कथय ॥ हां कथय ॥ ॐ तिष्ठति ॥ ॐ तालकाधन ॥ कां ताल ॥ तिं नासिका ॥ कां दूम  
 ॥ ॐ लललाट ॥ ॐ गिल ॥ मं तदृष्ट ॥ नं वक्र नक्ष ॥ कां गालि सुधि ॥ तिं निखार्क ॥  
 ॐ तिष्ठति सुकदम्ब न्यास ॥ ॥ ॐ गुरु ॥ ॐ तिष्ठति ॥ ॐ मध ॥ ॐ नाहि  
 ॥ मं ददय ॥ हां कथय ॥ तिं कथय ॥ तिं तालकाधन ॥ कां ताल ॥ तिं नासिका  
 ॥ कां दूम ॥ ॐ लललाट ॥ कां गिल ॥ मं तदृष्ट ॥ नं वक्र नक्ष ॥ कां गिलि सुधि ॥ तिं निखा  
 र्क ॥ ॐ तिष्ठति सुकदम्ब न्यास ॥ ॥ ॐ गुरु ॥ ॐ तिष्ठति ॥ ॐ मध ॥ मं ना



हि ॥ हां ददय ॥ सं कळ कूय ॥ हां कळ गनि ॥ वें गालू का धन ॥ कां गालू ॥ लें नासिका (ग  
 ॥ यें कुम (ध ॥ मं ललाट ॥ नें गिन ॥ कां गदई ॥ लिं वक्र ल ॥ हं नि नि संधि ॥ हं ट सिखा  
 न ॥ ॐ नि सीहा ल ॥ सफ द ध धन न्यास ॥ ॥ ॐ शुक्र ॥ हां लिं (ग ॥ हां मध ॥ मं नासि ॥  
 हां ददय ॥ वें कळ कूय ॥ हां कळ गनि ॥ यां गालू का धन ॥ (गं गालू ॥ धं नासिका (ग ॥ विं  
 कुम (ध ॥ कां ललाट ॥ लिं गिन ॥ कां गदई ॥ लिं वक्र ल ॥ हं नि नि संधि ॥ हं ट सिखा ॥  
 ॐ नि श्री ना क सफ द ध धन न्यास ॥ \* ॥ ॐ महा ध्वनी ॥ रुदि ॥ ॐ रु संध्वनी ॥ निवसि ॥  
 ॐ व (ध ध्वनी ॥ सिखान ॥ ॐ रु (ध ध्वनी ॥ कव व ॥ ॐ या (ग ध्वनी ॥ नग ॥ ॐ ग (ध ध्वनी ॥

\* मं शुक्र वें लिं (ग खं मध रुं नसि नें ददय सं कळ कूय हां कळ गनि वें गालू का धन (गं गालू लें नासिका (ग यें कुया अं ललाट गें सिन नें गदई

सं वक्र ल (ध वें नि नि संधि लिं नि र्मा ट ॥ ॐ नि नास ॥ ॥ २ ॥  
 क द सो द न न्यास ॥

म ॥ ॐ नि श्री ग न्यास ॥ ॥ ॐ महा व <sup>माह</sup> ध्वनी ॥ निखायी ॥ ॐ महा व रु संध्वनी ॥ वि  
 ल ॥ ॐ महा व ध्वनी ॥ मुख ॥ ॐ महा व ध्वनी ॥ वासक (ध ॥ ॐ महा या ग या (ग  
 ध्वनी ॥ दक्षक (ध ॥ ॐ महा व ध्वनी ॥ वामन ॥ ॐ महा सन व ध्वनी ॥ दक्षन ॥ ॐ  
 महानाग व ध्वनी ॥ वामनासायी ॥ ॐ महा खग व ध्वनी ॥ दक्ष सायी ॥ ॐ नि व र्क न्यास  
 ॥ ॥ एतानि खग सिंद व र्क कृष्ण गिवा व र्क नावन व र्क गो व ग व र्क अमत्रू व र्क पि  
 गल ग व र्क रु नि ग म व र्क न क म र्क ट व र्क य म र म व र्क एतानि व र्कानि निखादि  
 दक्ष सायार्क स्व सनि व ध व र्क न आ य न ॥ \* ॥ ॐ दक्षी व र्क सी दार्क ॥

\* विकटा लट दक्ष क नालीनि ध्वजाणि गद मूकानि अष्टा दहा सूरु मर्क मध्व व र्क सृष्टि काली विनयि त्वा ॥ ॥ अष्ट यूरु सीत म हिति ॥ ॥



जिह्वा (य) वामदक्षायुधार्कनादी ॥ ॥ ई काववावगजिह्वा लालयर्क सासी विवि  
 कयत् ॥ ॥ वाम ॥ ई ई ॥ अरयविनयित्वा पृष्ठत् ॥ सं ॥ कयाली ॥ ई ॥ खई ॥ श्री ॥  
 यास ॥ ओ ॥ शक्ति ॥ ई ॥ खद्वा जनमः ॥ ई ॥ मूर्ध्नी ॥ ई ॥ धनी ॥ ई ॥ चर्क ॥ ई ॥ घर्ष ॥ ई ॥ वा  
 लयर्क ॥ ई ॥ (ग) लकी ॥ ई ॥ कीकाली ॥ ओ ॥ नकुली ॥ ई ॥ सूर्य ॥ ई ॥ कदिनी ॥ ओ ॥ वंही ॥  
 पेट ॥ पठ् ॥ श्री ॥ उदि की ॥ ई ॥ वक्रियार्क ॥ ई ॥ पिठ्ठि ॥ वी ॥ पट् ॥ सुर्वी ॥ ई ॥ अर्यानी ॥  
 ई ॥ सिद्धि ॥ यो ॥ वरु ॥ ओ ॥ मूर्ध्नी ॥ ई ॥ उमन्कीनमः ॥ ॥ तगादका (घ) ॥ ई ॥ वलदावि  
 नयित्वा पृष्ठत् नमः ॥ ई ॥ कर्क कीनमः ॥ ई ॥ तर्क नीनमः ॥ ई ॥ श्रीकृष्णनमः ॥ ई ॥ उद्यु

नमः ॥ ववर्धनमः ॥ ई ॥ कलर्पनमः ॥ सो ॥ पिप्लीनमः ॥ ई ॥ वार्धनमः ॥ ई ॥ यर्धन  
 नमः ॥ गं ॥ यूरु कीनमः ॥ ई ॥ कीर्तनमः ॥ ई ॥ यात्रिकार्धनमः ॥ ई ॥ वृत्रिकानमः ॥ धो नामर्ली  
 नमः ॥ ई ॥ यूरुमालायनमः ॥ ई ॥ तिष्ठिर्धनमः ॥ ई ॥ गृध्रनमः ॥ ओ ॥ स्रक्कि कीनमः ॥ ई ॥  
 वर्धनीनमः ॥ ई ॥ कमलुर्लीनमः ॥ वी ॥ सुर्वीनमः ॥ (यो) ॥ यासमूर्ध्निनमः ॥ ओ ॥ नखाव  
 र्धनमः ॥ ई ॥ कीर्तुलीनमः ॥ ई ॥ मीसखद्युनमः ॥ श्री ॥ रुर्लीनमः ॥ धो ॥ सुर्विनमः ॥ एता  
 निवदुर्धर्कदक्षायुधार्कनादि मूडा खद्युनयसत् ॥ ० समयद हृष्टिगामवयत् ॥ ई ॥ वामयादक  
 किर्तु दक्षिणयादावलेभिर्न सिर्नि यावयत् ॥ ई ॥ यथालाट् सदाव ॥ ई ॥ वदयद्वा सन् श्री







**ॐ** महादेव विस्वायान काविधि सि निवाधसं युल्लक्ष्मि रगवधनि सुदनि यव  
 मसिद्ध सुद वृद्ध स्वयं सनात्मनि निव गन्धर्वा गन्धर्व सर्वधनी धावविश्वक व अयनि  
 मृग गयानिधान महावल यत्र काम यत्र व्यामवादिनि अवाताल वृय **ॐ कौसो ४** सारा ॥  
**अक्षत ॥ २ ॥ ॐ** महावधु वधुधनी वधु कर्मसाधनि सर्वसमयसमि महाकाल  
 विग्रह सकमलि महारुद्र रुद्रलि वृद्धकाधनि सर्वसकयमर्दनि महायायमाचनि या  
 गसिद्धिप्रदायानि रागमाक्षयद **कां रुद्र ॐ रुद्र ॐ रुद्र** रागवगिर्सेलावधनीः  
**ॐ रुद्र सारा ॥ सिधुन ॥ ३ ॥ ॐ रुद्र** महाव **ॐ** वधुमुखि वधुयागधनि

**रुद्र** वधुमुखविमाचनि सर्वसमयलायविद्यातना गयामयि अमृतमूर्त असिद्धसा  
 धनि अक्षिसिद्धिप्रद नागय सर्वदायान् अरिमर्त मययव सर्वसर्वग अन्वय  
**कां रुद्र ॐ रुद्र ॐ कौ** कासर्वविदधनी रुद्र सारा ॥ सर्वजनमाहना ॥ ४ ॥  
**ॐ रुद्र** महागजावनि सर्वायानकावकि सर्वयकाशसकि सर्वधनी एदरि क  
 लाद्यादधायनिवर्लय मनु गजवृय यवहानयद जन्मिबूय गत्वागान अवधु वि  
 ग्रह विद्यावरासकि रासय **२** खेवनी खानख **ॐ ४ ३ रुद्र २** यूक रासा नखाहा  
**॥ यूय ॥ ॥ ॐ निश्रामयुजाविधि ॥ x ॥ गगादालयुजा ॥ जांती महा कर्मगल**  
 गगादालयुजा ॥ आहादिष्ठा नादियालयनि काजिवनास याश अर्थ स्नानादियुयान धयदाय निवयद्वय ॥ ॥

॥ नन्दय आनि ॥ स्वयमय ॥ १  
 ॥ सवित्र रुय नदनी सा दि ॥ निदय आनि ॥ स्वयमय ॥ १



यतिनाथयाद ॥ दक्षि ॥ ॐ श्री महाकर्म गणयतिनाथवल्लभायाद ॥ उक्तं ॥ ॐ  
श्री महाकर्मवदुकताथयाद ॥ अथ ॥ ॐ श्री महाकर्मवदुकताथवल्लभायाद ॥  
याद ॥ य ॥ नगारुषू योगवर्धनं यष्टुं शुल्ल लदकाया तय वनद जाय द ॥  
धनान् आत्मा गच्छादिति ४ पूजयत् ॥ ॐ तिगणादि वदुक्ता च विधि ॥ ॥ अथ म  
धुलस्य ॥ ॐ गणादि कर्मन एतादृशमधुलपूजा ॥ अथ वदुयगमधु वकपूजा ॥ ॐ श्री  
हं महाउडियानयाथयाद ॥ म ॥ ॐ श्री हं महायदाकि वकध्वनी श्री मदी लादवीश्रवा  
याद ॥ पूर्व ॥ ॐ श्री हं महाकन वीनमभानयाद ॥ दक्ष ॥ ॐ श्री हं महासीमानवलालकट

कश्यालनाथयाद ॥ उक्तं ॥ ॐ श्री हं जहसोमहा कालिकायाद ॥ यथि म ॥  
एता नु योगवर्धनं वल्लभाय कयाल विधुलसुता न किं वरुं कषू वरुं ए  
तादृशमूर्खं पूज्य कालुमोलिनीं चत्वारिंशतिपुर्ज उद्धति म नृत्तमानं वरुं न  
ऊयली नानायदवनसहिर्गं कालनं आत्मा पूजयत् ॥ अथ अर्घ्याशन एव स न्य  
स्य महासमयश्रुति ॥ ॐ तिगो ० निकगन वकपूजा विधि ॥ ॥ अथ वदुयगम  
धुलपूजा ॥ ॐ श्री हं महायामवामध्वनीश्रवायाद ॥ म ॥ ॐ श्री हं महाखेवनी श्र  
वायाद ॥ पूर्व ॥ ॐ श्री हं महादिक्कनीश्रवायाद ॥ दक्ष ॥ ॐ श्री हं महागभवनीश्र



मयायाद ॥ उरु न ॥ **ॐ श्रीं हूं** महा ह्रवनी श्रुमायाद ॥ यन्त्रिम ॥ एतान् नवविस्त्रुवावा  
 रु (ग) सूर्या स्या ४ धन धूम नका धाम योत वधु धुवुर्जा ४ खड्ग कर्हि काय धन  
 धानिध धि नयित्वा पूजयत् ॥ **ॐ** नित्य श्रवाह वक्र पूजा विधि ४ ॥ ॥ अथ याद ॥  
**यग मधुल पूजा ॥** **ॐ श्रीं हूं** महा सूर्य मूर्ति श्रुमायाद ॥ **ॐ श्रीं हूं** महा गाल मूर्ति श्रुमायाद ॥  
**ॐ श्रीं हूं** महा सूर्य मूर्ति श्रुमायाद ॥ **ॐ श्रीं हूं** महा साम मूर्ति श्रुमायाद ॥ **ॐ श्रीं हूं** महान  
 द मूर्ति श्रुमायाद ॥ **ॐ श्रीं हूं** महा पता मूर्ति श्रुमायाद ॥ **ॐ श्रीं हूं** महान रा मूर्ति श्रुमाया  
 द ॥ **ॐ श्रीं हूं** महा कान मूर्ति श्रुमायाद ॥ **ॐ श्रीं हूं** महामा विद्या मूर्ति श्रुमायाद ॥ **ॐ श्रीं**

**हूं** महा कउ मूर्ति श्रुमायाद ॥ **ॐ श्रीं हूं** महा कलि नयन मूर्ति श्रुमायाद ॥ **ॐ श्रीं हूं** म  
 हाया धुल मूर्ति श्रुमायाद ॥ **ॐ श्रीं हूं** महानाय मूर्ति श्रुमायाद ॥ **ॐ श्रीं हूं** महाना स्या मूर्ति  
 श्रुमायाद ॥ **ॐ श्रीं हूं** महामद मूर्ति श्रुमायाद ॥ **ॐ श्रीं हूं** महा सद्र मूर्ति श्रुमायाद ॥  
**ॐ श्रीं हूं** महा वधु मूर्ति श्रुमायाद ॥ एतां न्यादि गाना नै एके कल न ददयात् नका  
 नील कृष्ण धाम धूम (गोन) धन वधु ४ वक्र गार्कि दधु याग धज गदा धूल तर्ज  
 क नाव नदा रय रुका म (ध) सेध वीचक यन्न वनदा रय कनी आत्मा पूजयत् ॥ **ॐ** ति  
 मूर्ति वक्र पूजा विधि ४ ॥ ॥ अथ द्वादश यग मधुल पूजा ॥ **ॐ श्रीं हूं** महा दस मगाना



थयाद ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महाविमलमतिनाथयाद ॥ **युर्व** ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महाविष्णुमतिनाथयाद ॥  
 अ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महासिद्धमतिनाथयाद ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महाखलुमतिनाथयाद ॥ **दक्षिण** ॥  
**ऊँ श्रीं ह्रीं** महावीरवक्त्रमतिनाथ ॥ **नेमथ** ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महाशुद्धिमतिनाथयाद ॥ **आ श्रीं ह्रीं**  
 महादशरथमतिनाथयाद ॥ **यधिम** ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महाविष्णुमतिनाथयाद ॥ **वायूय** ॥ **ऊँ श्रीं**  
**ह्रीं** महावीरसिद्धमतिनाथयाद ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महासेववसिद्धमतिनाथयाद ॥ **उरुव** ॥ **ऊँ**  
**श्रीं ह्रीं** महाज्ञानमतिनाथयाद ॥ **मथ** ॥ **नमः** ॥ **नमः** ॥ **नमः** ॥ **नमः** ॥ **नमः** ॥ **नमः** ॥ **नमः** ॥  
 लयकना मथ कृष्णवर्ण उर्वशाखा यूजय ॥ ॐ त्रियकाधवकयूजाविधि ॥

अथयाउधवकयूजा ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महाकाक्ष ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महाकाक्ष ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महाकाक्ष ॥  
 जामनीवाश्रमायाद ॥ **युर्व** ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महासर्वश्रमायाद ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महादिव्यश्रमा  
 श्रमायाद ॥ **अ॥** ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महावादिवादिमहामानाश्रमायाद ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महाकादिमहामृता  
 श्रमायाद ॥ **दक्षिण** ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महाखादिखादिमहामृताश्रमायाद ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महाविद्याश्रमा  
 श्रमायाद ॥ **नेमथ** ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महाहृमिजाश्रमायाद ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महाशुद्धाश्रमायाद ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महाशुद्धाश्रमायाद ॥  
 याद ॥ **यधिम** ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महागजाश्रमायाद ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महासिद्धयागश्रमायाद ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महासिद्धयागश्रमायाद ॥  
 श्रमायाद ॥ **वायूय** ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महाउमाश्रमायाद ॥ **ऊँ श्रीं ह्रीं** महाशुद्धिनाश्रमायाद ॥



द ॥ उल्ल ॥ **ॐ श्रीं हूं** महागगनश्रवायाद ॥ **ॐ श्रीं हूं** महालक्ष्मिनाश्रवाया  
 द ॥ **ॐ श्रीं** महावह्निनाश्रवायाद ॥ म॥ ॥ एता ४ स्तव वक्र यात ॥ म  
 व ॥ ४ ववदा रय काया क मूय धना म॥ नीलवर्धु ॥ एव ॥ आत्मा यूजयत ॥ **ॐ**  
**षाउभन नवक यज्ञाविधि ॥** ॥ **तनाषाउभय मधुयुजा ॥ तनार्यक मन ॥**  
**ॐ श्रीं** महामहिलाश्रवायाद ॥ **ॐ श्रीं** सोष्टिकाश्रवायाद ॥ **यूष ॥ ॐ श्रीं** कक्षाश्रवायाद  
 ॥ **ॐ श्रीं** कद्रुकीश्रवायाद ॥ **श्र॥ ॐ श्रीं** पट्टकीश्रवायाद ॥ **ॐ श्रीं** कूर्माश्रवायाद  
 ॥ **दक्षि ॥ ॐ श्रीं** धमनीश्रवायाद ॥ **ॐ श्रीं** गन्धकालीश्रवायाद ॥ **नेमय ॥ ॐ श्रीं** मार्ति

णीश्रवायाद ॥ **ॐ श्रीं** वमकाश्रवायाद ॥ **यविम ॥ ॐ श्रीं** केवर्हिनीश्रवायाद ॥ **ॐ श्रीं**  
 मरु कामिनीश्रवायाद ॥ **वायूय ॥ ॐ श्रीं** गत्यकीश्रवायाद ॥ **ॐ श्रीं** रुद्रकीश्रवायाद ॥  
 ॥ **उल्ल ॥ ॐ श्रीं** नरुद्रकीश्रवायाद ॥ **ॐ श्रीं** धिकाकीश्रवायाद ॥ **ॐ श्रीं** नूयि  
 काश्रवायाद ॥ म॥ ॥ एता नू यात वक्रा ववदा रय नर्जनी धना ४ म॥ नील वः  
 ॥ एव ॥ आत्मा यूजय ॥ **ॐ** **तिहानवक यज्ञाविधि ॥** ॥ **श्रधवतुर्विस्तियममधु**  
**युजा ॥ ॐ श्रीं** दक्षिनीश्रवायाद ॥ **ॐ श्रीं** धूम्राश्रवायाद ॥ **ॐ श्रीं** कालिनीश्रवायाद ॥ **यूष**  
 ॥ **ॐ श्रीं** गन्धनीश्रवायाद ॥ **ॐ श्रीं** गगलधनीश्रवायाद ॥ **ॐ श्रीं** मायाश्रवायाद ॥ **श्र॥**



॥**ॐ** श्री महा माया श्रुत्यायाद ॥**ॐ** श्री निर्या श्रुत्यायाद ॥**ॐ** श्री शक्ता श्रुत्यायाद ॥ दक्षि (६) ॥  
 ॥**ॐ** श्री विद्या श्रुत्यायाद ॥**ॐ** श्री कामनदिनी श्रुत्यायाद ॥**ॐ** श्री उमानदिनी श्रुत्यायाद ॥ नेम  
 ॥**ॐ** श्री श्रियानदिनी श्रुत्यायाद ॥**ॐ** श्री सूरगानदिनी श्रुत्यायाद ॥**ॐ** श्री महा लक्ष्मी श्रु  
 त्यायाद ॥ यथि म ॥**ॐ** श्री ब्रह्म मन्त्रादी श्रुत्यायाद ॥**ॐ** श्री सूर्य मन्त्राद्याद ॥**ॐ** श्री विद्या  
 श्रुत्यायाद ॥ वायू ॥**ॐ** श्री मानजा श्रुत्यायाद ॥**ॐ** श्री श्रुता श्रुत्यायाद ॥**ॐ** श्री वशि  
 ष्ठा श्रुत्यायाद ॥ उरु ॥**ॐ** श्री श्रुत श्रुत्यायाद ॥**ॐ** श्री सिद्ध यागिनी श्रुत्यायाद ॥**ॐ**  
 श्री विद्याधरी श्रुत्यायाद ॥ श्री गान ॥**ॐ** श्री वशिनी श्रुत्यायाद ॥ मथ्य ॥ ७ गायत्रि मा

ॐ न रत्नक ॥ श्रुत ॥ छक ॥ वक ॥ शक ॥ गमक ॥ मयूक ॥ नासक ॥ खड्ग नीता ॥ दक्षि ॥ सि  
 द ॥ रक ॥ कर्कट ॥ मुखक ॥ दृग ॥ सूर्य ॥ मान ॥ टिठार ॥ नाकस ॥ मनुक ॥ समनुक ॥ रैव  
 किन्नर ॥ वदना ॥ मथ ॥ कर्कटामुखी ॥ धन ॥ नक ॥ योगवर्ध ॥ मथनाला ॥ यज्ञ ॥ मधु ॥ वल  
 दा ॥ रायकना ॥ ४ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥  
 ॥**ॐ** श्री मानादवी श्रुत्यायाद ॥**ॐ** श्री शर्वनादवी श्रुत्यायाद ॥ पूर्व ॥**ॐ**  
 श्री उल्का मुखि श्रुत्यायाद ॥ श्री ॥**ॐ** श्री जेलाय मुखि श्रुत्यायाद ॥ दक्षि (६) ॥**ॐ** श्री नाकस  
 मुखि श्रुत्यायाद ॥ नेमथ ॥**ॐ** श्री मदन मुखि श्रुत्यायाद ॥**ॐ** श्री यवधु मुखि श्रुत्यायाद ॥ यदि



म॥ **ॐ** श्रुतं मूर्ति श्रुत्यादा ॥ वायुय ॥ **ॐ** विद्याधरा श्रुत्यादा ॥ **ॐ** मनरा श्रु  
त्यादा ॥ **उरु न** ॥ **ॐ** मननी श्रुत्यादा ॥ **ॐ** नान ॥ **ॐ** वलिनी श्रुत्यादा ॥ म॥ **ॐ** न  
॥ नका ॥ **ॐ** म॥ व॥ ४ ॥ गगजा ॥ **ॐ** क॥ म॥ न॥ नाना ४ वनदा ॥ राय ॥ म॥ क॥ क  
वा ४ म॥ नील व॥ १ व॥ वायुय ॥ **ॐ** ति॥ द॥ ग॥ म॥ व॥ क॥ सिद्ध व॥ क॥ य॥ ॥ ॥  
श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥ **ॐ** श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥ **ॐ** श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥  
॥ श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥ **ॐ** श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥ **ॐ** श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥  
॥ श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥ **ॐ** श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥ **ॐ** श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥

द ॥ **उरु न** ॥ **ॐ** श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥ **ॐ** श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥ **ॐ** श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥  
नका ॥ व॥ ४ ॥ गगजा ॥ **ॐ** क॥ म॥ न॥ नाना ४ वनदा ॥ राय ॥ म॥ क॥ क  
वा ४ म॥ नील व॥ १ व॥ वायुय ॥ **ॐ** ति॥ द॥ ग॥ म॥ व॥ क॥ सिद्ध व॥ क॥ य॥ ॥ ॥  
श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥ **ॐ** श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥ **ॐ** श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥  
॥ श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥ **ॐ** श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥ **ॐ** श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥  
॥ श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥ **ॐ** श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥ **ॐ** श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥  
॥ श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥ **ॐ** श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥ **ॐ** श्रुथ श्रुथय म॥ ल॥ य॥ य॥ ॥



मृथवदुदममधुलूजयत् ॥ **ॐ** मरुममल्लादाफानाथयाद ॥ **ॐ** निवादिफाना  
 थयाद ॥ **म** ॥ **ॐ** लानदाफानाथयाद ॥ **ॐ** श्रानन्ददिफानाथयाद ॥ **ॐ** ॥ **ॐ**  
 मरुनन्ददाफिनाथयाद ॥ **ॐ** ॥ **ॐ** विविगनन्ददाफिनाथयाद ॥ **ॐ** सुदजानन्द  
 दाफिनाथयाद ॥ **द** ॥ **ॐ** यागभनन्ददाफानाथयाद ॥ **नेम** ॥ **ॐ** कालानन्ददा  
 फिनाथयाद ॥ **ॐ** समयानन्ददाफिनाथयाद ॥ **यविम** ॥ **ॐ** निखानन्ददाफिनाथ  
 याद ॥ **वायू** ॥ **ॐ** विमलनन्ददाफिनाथयाद ॥ **ॐ** पूरुनन्ददाफिनाथयाद ॥ **उ**  
**रुन** ॥ **ॐ** उमानन्ददाफिनाथयाद ॥ **नीमान** ॥ **ॐ** सविमर्षानन्ददाफिनाथयाद ॥

॥ **म** ॥ **ॐ** दयोनकवर्षु विविक्रमल दयोसिद्धा ॥ **ॐ** वरु ॥ **ॐ** वनदारय नाला  
 लल कयालथला ॥ **ॐ** वीरिस्त्रिययुजयत् ॥ **ॐ** गियनार्थवसिद्धवक्रयुजा ॥  
**म** गुममधुलूजयत् ॥ **ॐ** ॥ **ॐ** मयकिगुममधुलयाद ॥ **ॐ** ॥ **ॐ** ॥ **ॐ** मवदू  
 यीविकयिवा गुममधुलू युजयति एकादश समयसिद्धयागिनी गुमवोनकालिका  
 गयगिषाधिकशर्गकी वकीकलीसंयुक्त गुममधुलसमर्ग विषायाद्यार्थकयात् ॥  
 ॥ **ॐ** ॥ **ॐ** विषायाद्यार्थयुजयत् ॥ **ॐ** ॥ यथासमयददयं गुक्तसमयददयं समू  
 चार्थ वामावरु दक्षिणावरु नमिकदर्थ **ॐ** कावधकालन **ॐ** कालधया ० निवाय



सामसूर्याग्नि वायु आममयं विरुचिवा अर्घ्यागमश्च यश्च वा अर्घ्यागं पूजयत् ॥  
 ऊँ श्रीं सामामृतयाद ॥ उरु न ॥ ऊँ श्रीं सूर्यामृतयाद ॥ पूर्व ॥ ऊँ श्रीं अश्वामृतयाद ॥ दक्षि  
 ण ॥ ऊँ श्रीं वायुमृतयाद ॥ यशिम ॥ ऊँ श्रीं आमामृतयाद ॥ मध्य ॥ ॥ यून ४ पूजनी ॥ ऊँ श्रीं  
 आनन्दरोनवीकाल्यश्रुमायद ॥ ॐ महासमयद्वययाद ॥ ॐ महासमयद्व  
 ययाद ॥ ॐ शुक्रद्वययाद ॥ ॥ ऊँ श्रीं चक्रयागमना च ॥ ॐ श्रीं ० आम  
 कालि ॥ मार्तण्डिनि ॥ रामकालि ॥ कामरूपिनि ॥ सिद्धिकालि ॥ पूष्टिनि विवन्दकालि ॥ जा  
 लश्च लचन्द्रकालि ॥ उडियान्नककालि ॥ सर्वसमय चक्रलारीकनू २ ॥ सूरसिद्ध ॥ सूर्य

सुन २ श्री य सुन २ हंस ४ हंस ४ ख ४ ख ४ हि २ जाँ हं वाहि २ काहि खाहि रं हं लां  
 रं रं लां ॐ हं हं वां जां हं हं हं नृमायाद ॥ नूडमने ४ या रं रं थ ॥  
 मलासमयत धूर्यदत्ता ॥ संख यद्र नऊना विरूना कनक्षिणी निमूदायश्चकं वि  
 धाय श्रीमलार्थकमयश्चकं यजयत् ॥ ॐ त्रिविधमार्घ्याय पूजाविधिः ॥  
 नना आसनं ॥ लं ॐ उ कालासनाय पूर्वयश्चकश्चरु ४ रु ४ हं हं हं हं रं नवनिवा  
 सनाय नृमायाद ॥ ॐ निसफासनानि जम्बा दधवक सफदधकन नवाकन सृष्टि  
 सिलाव यथा गध नकसंवाव यश्चमलुल विकसत्युवाक दवाखनूर्य कममलुल



म।धसु कर्मधावा विद्याययनार्थयिवा कर्मयुजययथा ॥ **ॐ ह्रीं हूं** यानि श्रुत्वा याद  
**ॐ ह्रीं हूं** यानि सिद्धनाथ श्रुत्वा याद ॥ **ॐ नमो भगवते** ॥ **ॐ ह्रीं हूं** महायानि श्रुत्वा याद ॥ **ॐ**  
**ह्रीं हूं** महायानि सिद्धनाथ याद ॥ **युक्ते** ॥ **ॐ ह्रीं हूं** शीखयानि श्रुत्वा याद ॥ **ॐ ह्रीं हूं** शीखया  
 नि सिद्धनाथ याद ॥ **दक्षिणे** ॥ **ॐ ह्रीं हूं** दिवयानि श्रुत्वा याद ॥ **ॐ ह्रीं हूं** दिवयानि सिद्धना  
 थ याद ॥ **यन्मिमांसा** ॥ **ॐ ह्रीं हूं** यन्मयानि श्रुत्वा याद ॥ **ॐ ह्रीं हूं** यन्मयानि सिद्धनाथ याद ॥ **उत्तरे**  
 ॥ **नमो नमो यक्ष यक्ष्य धनुर्मुखा धनुर्मुखा ललाता ४ वाम नमो दक्ष यान उ**  
**र्ध्व नीम मूखा ४ धनवधु ४ वन सय कयालभवा ४ सर्वयन्मवका विधुल गकि ख द्वा**

क्षयवा विनामन दयलु ससदिता ४ सर्वगजा निधाना ॥ ॥ **॥ नमो हृदि**  
**कामनसर्विद्य ॥** म।धदविललाता वनदारयकनक्ष वन्दसूर्यविधाविर्णा यी।म।ध  
 कक्ष जगावध शुक्लमृगुमालाधनी यावता हिसूर्यसुखसुखणी महाकाल नृ  
 त्यरुनीया याश्च चर्मयनीधनी सर्विद्य युजय न न यथा ॥ **ॐ ह्रीं हूं** महासु  
 द्विकालिकालयसनकालि श्रुत्वा याद ॥ **१० ॥** **ॐ** महाविशामृत निनावान विषय  
 ७ खचलचर्न श्रुत्वा काल रात्रिगरीववि नव निरुन न यन यना यन सदा  
 धिका कलाकल शुभशान्क मनामनिक कवल निष्ठा।ध शुद्धवृद्ध नेनूय उयमा



वदित निववकाश युकाशक सुखिध्वनि **रुं रुं रुं** स्वाहा ॥ १०० ॥ **रुं** नमः श्रीमन्मन्त्राय  
 वलु **रुं** कावलि उडियान जालेधन महालक्ष्मी वनिश वावादानगन वेत्यवाशि  
 नी कलु कलु महाकलि नृधमाणी मादध्वनी वक्राणी वेसूवी ॐ द्यानी कोमा  
 नी वावादी मादध्वी वामुध्मा महालक्ष्मी धीरेववा माय महामाय सर्वसिद्धिददि  
 सर्वसंसारनाशिन दविकाट कामनूयनिवासिनि **रुं रुं रुं** नरेववयिथ समनस **रुं** **रुं**  
 नृधनवि ददिनि **रुं रुं रुं** धीकिवि **रुं** किनि **रुं** रुन **रुं** रुं **रुं** सिद्धिरैववि **रुं**  
 धयोगिनिनी समनसकालिनि जेलाक वासिनि सर्वगते नरेववयिथ विषमद गज  
 विलिविलि २

मवन यवतवासिनि संगम संगम संगमवासि यथयथवासिनि वृक्षवृक्षवासि  
 नि सर्वसर्वगत जयविजय नृधित नृयवाजिन **रुं रुं रुं** नवलि रुवलि रुवलि रु  
 विनि **रुं रुं रुं** ४ समय दिनारव **रुं रुं रुं** नरेववसुदिन जेलाकमान आका **रुं रुं रुं**  
**रुं रुं रुं** नमः ४ स्वाहा ॥ ॐ नित्यश्रु कालियासयविद्या ॥ समयविद्यान प्रियसंयुक्त ॥ ३ ॥  
**रुं रुं** महावलुया गध्वनी नृधमायाद ॥ प्रियसंयुक्त ॥ ॐ नित्यश्रु कामयुजाविधि ॥ ॥  
 नगाहि नित्यकामयुजायत् ॥ **रुं रुं रुं** रवगल्यनाथ नृधमायाद ॥ **रुं रुं रुं** **रुं रुं रुं** कर्मनाथयाद  
 ॥ **रुं रुं रुं** ममलायायाद ॥ ददि ॥ **रुं रुं रुं** मखनाथयाद ॥ **रुं रुं रुं** कामममला नृधमाया



द॥ उरु न॥ ॐ श्री माननाथयाद॥ ॐ श्री कोकनाथयाद॥ यधिम॥ ॐ श्री रुरुता  
 थयाद॥ ॐ श्री मरुतनाथयाद॥ ॐ श्री वल्ललनाथयाद॥ ॐ श्री मरुत  
 नाथयाद॥ वायूय॥ ॐ श्री गजलनाथयाद॥ ॐ श्री मरुतवननाथयाद॥ नेमय॥ ॐ  
 श्री मलनाथयाद॥ ॐ श्री वनदवननाथयाद॥ न॥ ॐ श्री विविजनाथयाद॥ ॐ श्री  
 मलिनाथयाद॥ नेमय॥ ॐ श्री विश्वनाथयाद॥ वायूय॥ ॐ श्री गुठिकनाथयाद॥ ॐ श्री  
 न॥ ॐ श्री यान॥ ॐ श्री धाउभाई कामयभाहिना॥ ॐ श्री दक्षि॥ ॐ श्री यधिमदलसिद्धा॥ ॐ श्री  
 कृष्ण॥ ॐ श्री रगवधु॥ ॐ श्री दिवुडेकमूखा॥ ॐ श्री कयाल॥ ॐ श्री नीलायलधना॥ ॐ श्री दया॥ ॐ श्री नक॥ ॐ श्री गोना॥

यद्य॥ यूरुकाधना॥ ॐ श्री रहादिम॥ ॐ श्री निवधिकाना॥ ॐ श्री यान॥ ॐ श्री म॥ ॐ श्री नक॥ ॐ श्री धूस॥ ॐ श्री गुक॥ ॐ श्री नील॥  
 वधु॥ ॐ श्री मनादि॥ ॐ श्री गुठिकाना॥ ॐ श्री म॥ ॐ श्री साधिकाना॥ ॐ श्री विलामवधु॥ ॐ श्री धउका॥ ॐ श्री धयउयू॥ ॐ श्री य  
 मुय॥ ॐ श्री आया॥ ॐ श्री म॥ ॐ श्री वनदा॥ ॐ श्री रयदला॥ ॐ श्री लमा॥ ॐ श्री यूरुका॥ ॐ श्री रगवधु॥ ॐ श्री रवधु॥ ॐ श्री लधादना॥  
 ॐ श्री म॥ ॐ श्री दवा॥ ॐ श्री रवधु॥ ॐ श्री लधादना॥ ॐ श्री वक्रक॥ ॐ श्री कीलवाधु॥ ॐ श्री वादयर्मा॥ ॐ श्री आवा॥ ॐ श्री यूरुय॥ ॐ श्री यथा॥  
 ॐ श्री र॥ ॐ श्री र॥ ॐ श्री मरुहाहि॥ ॐ श्री निकालि॥ ॐ श्री कमलकालि॥ ॐ श्री मयायाद॥ ॥ १० ॥ ॐ श्री मरुहा॥ ॐ श्री नवि॥ ॐ श्री स  
 र्वायायनका॥ ॐ श्री नकि॥ ॐ श्री निवाधु॥ ॐ श्री यूरुल॥ ॐ श्री कनि॥ ॐ श्री रगवधु॥ ॐ श्री धूदनि॥ ॐ श्री यनमसिद्ध॥ ॐ श्री धुद  
 वधु॥ ॐ श्री सूरुय॥ ॐ श्री मनाथनि॥ ॐ श्री निव॥ ॐ श्री म॥ ॐ श्री रवधु॥ ॐ श्री धानविधु॥ ॐ श्री धव॥ ॐ श्री यनमि॥ ॐ श्री नऊ॥



निधान महावल्लयवाक्य यमशक्त्यामवादिनि अवनान्नय **ॐ क्रीं सौं ॥** स्वाहा  
**॥ १०० ॥** अनेया समयविधान नवाक्षरं क्षयि विष्णुयुजयन् ॥ **ॐ तिष्ठातु गायत्रि**  
**मिकमयुजाविधि ॥ १ ॥** **॥** गताक्रमन संज्ञानकर्मयुजयन् ॥ **ॐ रुद्र महा**  
**रुद्राक्षि श्रुवायाद ॥ ॐ रुद्र महा संज्ञानि श्रुवायाद ॥ ॐ रुद्र महा नकं ध्वनी श्रुवा**  
**याद ॥ ॐ रुद्र महा कृताकृताननं नि श्रुवायाद ॥ ॐ रुद्र महा यमरुद्राक्षि श्रुवा**  
**याद ॥ ॐ रुद्र महा काल नाशिकाल संज्ञानि श्रुवायाद ॥ ॐ रुद्र महा वधुच (धु**  
**ध्वनी श्रुवायाद ॥ ॐ रुद्र महा वीलवाले ध्वनी श्रुवायाद ॥ ॐ रुद्र महा कालाग्निवृद्ध**

संज्ञानि श्रुवायाद ॥ **ॐ रुद्र महा रोमवसे संज्ञानि श्रुवायाद ॥** एना ४ यात वक्र (मे  
 व ध्याम कनक ध्यामनक वक्र कृष्ण धूमान्ध (ध्वनसे ध्वन दशयन् सीहिगा ४ ना  
 लवर्धु धनुजगण धन धन ४ रवद्र गव धूल धना ४ मध्वरुगवर्णा अक्षिचर्मा व  
 (गर्वा रुद्राया अजदनीविशाल ध्यावायुजयन् ॥ **ॐ रुद्र महा संज्ञान काल गम**  
**नकालि ॐ रुद्र श्रुवायाद ॥ १० ॥ ॐ** महा वधुया (गध्वनी वधुकर्मसाधनि सर्वग  
 सद्यस्मवि उगत कातिकवलि महाकालयद्र सीगमनि महायाय रुद्र रुद्राक्षि  
 उजाधनि सर्वगकृपमर्दनि महायाय यमाचनि यागसिद्धियदायनि शागमाकृप







ॐ किं किं जी जालम छिना ४ छिनना याव च मनिवासना ४ गो व द वा नूरा ४ ॐ द  
 य र्प या ० निक ग नादि सीलान काम यथ र्क द व द वा नाथ वा द र्प दा ले सी चि च  
 ॥ म (ध्व र ग व र्ग क (ध द र्ग या ना न ग य या ध र्ग क ध्व ना य न म द दू छि न ध्व न ला  
 च र्ग व न दा र य ध र्ग ध्व न ग या द ध म नू द उ द्ध सिं हा स र्ग य द्वा द वा यू ज य न ॥  
 ॐ ॐ ॐ म हा व धु या ग ध्व र्ग कालि कालि ॐ रु द् अ म्बा या द ॥ १० ॥ ॐ रु द् म हा व  
 धु व धु म र्ग व धु या ग ध्व र्ग रु द् व धु द् ४ ख वि मा च नि स र्व स म य ला य वि या ग नि  
 ग जा म यि अ मृ ग मूर्त अ सि द्ध सा ध नि सि द्धि वि द्धि य द ना स य स र्व दा मा नू नू रि

म र्ग म य य द् स र्व स र्व ग न अ दू य स र्व दू य ॐ रु द् ॐ रु द् ॐ ॐ ॐ स र्व वि य ध  
 रु द् सा हा ॥ १०० ॥ अ न या स म य वि या य न वा द न क्ष यि य ध क वि धा न न वि धा  
 स र्व द् य र्क काला य ज य र्क यू ज यि त्वा ल य ल न य धा न्ना य न स र्व द् ॥ ॐ नि अ  
 ना द् काम यू जा वि धि ४ ॥ १ ॥ ॥ न ना द्वा द धा वी ज ल न वा मा व र्ग न यू ज  
 य न ॥ ॐ म हा म र्ग कालि अ म्बा या द ॐ ॥ ॐ म हा र्ग स कालि अ म्बा या द ॐ ॥ ॐ म  
 हा काम काम कालि अ म्बा या द ॐ ॥ ॐ म हा ज्ञान कालि अ म्बा या द ॐ ॥ ॐ म हा उ म  
 न कालि अ म्बा या द ॐ ॥ ॐ म हा च क कालि अ म्बा या द ॐ ॥ ॐ म हा उ काल कालि अ



म्यायादं ॐ ॥ ॐ महागगधकालि म्यायादं ॐ ॥ ॐ महाजकरासाकालि म्या  
यादं ॐ ॥ ॐ महासदकालि म्यायादं ॐ ॥ ॐ महावनकालि म्यायादं ॐ ॥  
ॐ महापदिकालि म्यायादं ॥ एता वक्र यात धगवर्धु श्वउरुजा ४ वन द  
विधुला रय कयाल वाध ४ एवधवायुजयत ॥ मन्त्रयगारदन वउर्वि गतिवो  
॥ गतिवोदग वीजुयुजा विधि ४ ॥ ॥ गता कगमन उरुवाधमा  
वरुन युजयत ॥ ॐ महासासाकालि म्यायादं ॐ ॥ ॐ महासासादसकालि म्  
म्यायादं ॐ ॥ ॐ महासासावधु कालि म्यायादं ॐ ॥ ॐ महासासागमल कालि



विमलयाद

ASHA ARCHIVES

आशा अरु काथि

889

ASHA ARCHIVES







श्रुमायाद **ॐ** ॥ **ॐ** महासासायागकालिश्रुमायाद **ॐ** ॥ **ॐ** महासासागगलकालिश्रु  
मायाद **ॐ** ॥ **ॐ** महासासासूत्रकालिश्रुमायाद **ॐ** ॥ **ॐ** महासासामककालिश्रुमाया  
द **ॐ** ॥ नता **ॐ** नववृक्ष ४ वनदारय **ॐ** ल कमलधामिनि ४ पूजयित्वा नमिष्ये कं य  
जयन् ॥ **ॐ** **ॐ** **ॐ** ल ४ सूर्यकालिश्रुमायाद ॥ वलुलभिषू ॥ **ॐ** **ॐ** **ॐ** व ४ वलुलकालिश्रु  
मायाद ॥ सोमलभिषू ॥ **ॐ** **ॐ** **ॐ** ४ श्रुतिकालिश्रुमायाद ॥ वलुलभिषू ॥ **ॐ** **ॐ** **ॐ**  
म ४ वायुकालिश्रुमायाद ॥ निर्जमलभिषू ॥ **ॐ** **ॐ** **ॐ** स ४ धामकालिश्रुमायाद ॥ **ॐ**  
धायकलभिषू ॥ **ॐ** **ॐ** **ॐ** रु ४ मनकालिश्रुमायाद ॥ श्रुमाधलभिषू ॥ **ॐ** **ॐ** **ॐ** रु ४

सर्वनभियकागमयीकालिश्रुमायाद ॥ वनदारय **ॐ** ललाट्या **ॐ** विनामलि **ॐ** मयअनाद  
र्य **ॐ** विनगीधत्वा ॥ समय **ॐ** दयनार्थ ॥ शुक्रसमयन **ॐ** यार्थ ॥ महासमयन **ॐ** नाचमर्त ॥  
नवाद्य **ॐ** वल **ॐ** पूर्य ॥ सिद्धन **ॐ** दार्थ ॥ सेनवन **ॐ** नेयार्थ ॥ **ॐ** कावनयार्थ **ॐ** दत्वा ॥ **ॐ** काव  
ल **ॐ** यथादिकं गृहित्वा ॥ **ॐ** **ॐ** **ॐ** न महाचल **ॐ** यडा **ॐ** न **ॐ** वनिश्रुमायाद ॥ १० ॥  
**ॐ** **ॐ** **ॐ** महागजावति **ॐ** सर्वाथायनकावकि **ॐ** सर्वयकासकि **ॐ** सर्वध्वनि **ॐ** नक्षत्रि **ॐ** क  
लाद्याद **ॐ** यनिवरुय **ॐ** मनुज ४ खनय **ॐ** यनलानयद **ॐ** नमिष्ये **ॐ** नलाना **ॐ** अव  
लु **ॐ** वलुविग्रह **ॐ** विद्यावरासकि **ॐ** सासय २ खवन **ॐ** नाखान **ॐ** ख **ॐ** ४ **ॐ** ४ **ॐ** ४ **ॐ** ४



० यूक्तं शास्त्रं नखादा ॥ १०० ॥ अथ नया समयविद्याया नवाक्षवतः शिक्षासंयुक्तं ॥ यथा ॥  
 ॥ वनाक्षविगसूत्रं यूक्तं यन्मया कालकालासर्वगतं दानं हृत्तायाय नवगता कि  
 नी यवनं नवमं गजकुञ्जं ४ श्री वन्मभय सामस्यमया गम्यश्चमवक्त्रं मालाया  
 नवाक्षवविद्यां समुच्चार्य शिक्षासंयुक्तं ॥ ॥ नित्यासाकमयुजाविधिः ॥ १ ॥ ✕ ॥  
 गंगागुन्मधुलयुजयन् ॥ गुन्मधुलं कर्तुं कार्यायुजयन् ॥ कौण्डिन्यासकदम्बनादि  
 गुन्नाथयाद ॥ पूर्वदलं ॥ कौण्डिन्यासकदम्बनाथगुन्नीकलाश्चासदितयाद ॥ उरुवद  
 लं ॥ कौण्डिन्यासकदम्बनाथगुन्नीकलाश्चासदितयाद ॥ यन्मिदं दलं ॥ कौण्डिन्यास

[illegible]



**कौण्डिणी** माननाथयाद ॥ ४ ॥ **कौण्डिणी** वनदवनाथयाद ॥ ३ ॥ अतल्यस्त्यायनयविय  
 यकममसयुनययनं दूय धूय दाय गभनेययादिरियथास्तनयूजयिवा मूडा  
 वभयित्वा ऊर्ध्वकुर्यादिगिगुमूयचनविधि ॥ ॥ यथादंष्टिनी १ ललितानस्क  
 यालिनी ३ कालसंकर्षणी ४ समयकनी ५ विकलानी ६ तामनी ७ कुलुला ८ विश्वका  
 ला ९ वरु १० यक्षसंभ्रममूडा सर्वकाममनु सवूयसहिता गुनमूखयानययथाक  
 ममस्त्या दद्येदगयदिति मूडाविधि ॥ ॥ घृत नव गो दूग महिष घृ  
 तन नकवृहिकां युवाथ गुगुनि कथूल गरिगं वृहियिषु तन दायं वकिनी ॥  
 महास्यद्वयनधूयद्वया २

यकाला युगीमा सवसमदिनयि आयनि निवस्य समयद्वयन अर्घयाशादकन  
 यादक्ष ॥ ययसतादनीमनुन दीयवामावरुन समका यक्षवार्नयाथ ॥ ॥  
 न पूष दक्षिण उरुन यन्निमा दिग्भास दयद्वयं लययदिति दीयविधि ॥ ॥  
 नगानेयय ॥ अर्घयाशादकनयादक्ष मूडायवर्कवध ॥ वक्रयूयामाय दीयव  
 सयुतं ॥ ययसतादनीमनुन दक्षिणवरुन यनिसमाको संयाथ दीयस्तनस्त  
 यय ॥ अथर्धागुगलयवर्त ॥ मनु ॥ **कौण्डिणी** दवायुमहावल्यनाक्रमगजमू  
 खसर्वविघ्नाद्वदकनमं ३ मकालि ४ कावात्मरु खवलसहित ॥ मायूजावलि



गृह २ खादा ॥ १ ॥ यनवउका (७) ॥ **ॐ** श्रीं **ॐ** यवीयूयवद कनाथयि (गमदक  
 न) मुकाददास अलियानामरु ममविद्यान **ॐ** ४ **ॐ** ४ **ॐ** ४ मूद्र २ उलोक्तमना  
 धिकय **ॐ** मायूजीवलिंग २ खादा ॥ २ ॥ म (७) ॥ **ॐ** श्रीं महासूक्तमना मरु  
 यागिनिथा मरुसर्वमारुथा मरुसर्वजकिनाथा मरुसर्व उगयतिथा मरु  
 दवनाथा मरुदिकनाथा मरुगभवनाथा मरुमलाय काविनीथा मरुस  
 दूय दायिनाथा **ॐ** मायूजीवलिंग २ **ॐ** ३ **ॐ** ३ **ॐ** ३ खादा ॥ ३ ॥  
**ॐ** श्रीं **ॐ** ससुनकउयालाभियतय ममसिद्धिप्रदातव सर्ववार्थनवद २ **ॐ**

मायूजीवलिंग २ खादा ॥ ४ ॥ **ॐ** निवलि वउषय वउत्कानना दीयसहि  
 नदीगतय **ॐ** निववविधि ॥ **ॐ** नानयनविधि ॥ वामदक्षनयथी कंगहि  
 खा ॥ रासा सफदक्षकनन ॥ समयविद्यापिवा समावरु सृष्टि हिति सीदानम  
 नाका रासा काम सफदक्षकनन नययन **ॐ** नितय विधि ॥ **ॐ** नान  
 लिदया ७ ॥ **ॐ** श्रीं **ॐ** या (७) ययी ० दगायदउ सीदादा यसिदाद मलायाय मला  
 य वखालाय वखाल सनानायसन दानायदान मगनायमगन उलोक्त  
 सीहिगिथा वीनरेनवनाथ दगउभासु हनदामनय ४ कवन सचल दि











कन २ कं २ वम २ जे लाई नक २ साव २ गृह २ आनय २ ख ४ १ उ ४ १ ज ४ १  
य ४ १ कं १ आ १ ल १ म हा मा वि कया लरु रु वू ३ २ ३ क न ३ रु न ३ क ल ३  
सदा कतिन म आन वास वा सि नि कं १ रु ७ १ कं २ वू उं २ २ कं उं २ मूं २ यं २ कूं २  
कूं २ १ कूं १ रु ७ १ कूं १ वूं १ उं १ कूं १ कूं १ उं १ कूं १ कूं १ यूं १ कूं १ कूं १ कूं १  
२ १ रु ७ १ रु क रु क मा न २ रु स २ निवत नाय म सा दि वत ना नक २ कं  
२ कं २ रि वि २ वि वि २ कं २ २ रु ७ ३ च लिक यु गा नि यम २ याम य २ नि  
वा ट य २ मू क व य २ य मा व य २ धु लि २ स र्व मा वि कं २ कं २ रु ७ जी व हा नी या

ल हा नी म म २ वि घा त ना द न २ कं ३ रु ७ १ कालि क बालि कि वि ३ कि लि ३ कं  
३ कं ३ कं ४ कं रु ७ १ म हा लि स ता कू ल सा र्व व मा व त ग नी न म हा नू वि न यि  
य म हा धा न या ण न रु न २ गृ ह २ मा न य २ रु क २ खा द २ कं रु ७ २ रु ७ २  
रु ७ १ रु ७ १ रु ७ १ रु ७ १ कं रु ७ क द २ रु ७ २ रु ७ म हा स र्व मा वि २ ५ कं रु ७ २  
५ कं रु ७ १ म हा का ला क नी डि कं ५ रु ७ १ न म ४ बा हा ॥ ॥ तिल य म हा क नी  
गु ध का ल्या ४ ॥ इ र्वा सा वि या ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ म हा वि ण मृ त नि ना वा य  
वि ण ख ७ १ ख व न गि व अ कू ल रु नि ग र व वि नि ष्ट व ७ १ य न य ना य न स र्व











ॐ व (धुयव) धु किलि २ कि वि २ मा रु य २ ऊं र य २ क व २ कि वि २ ग म २ कि २  
 छि २ गी २ गाम य २ घृ क्षय य २ नि डाय य २ या ध रु नि जी व रु नि रु न २ मा न य २ आ  
 न य २ खा द २ गृ द्वा २ ॐ ॐ मा न २ द ४ २ ऊं २ क २ मा न २ रु न २ द ४ २ ऊं २ ऊं २  
 स २ ऊं २ ऊं २ ऊं ४ २ र व ४ २ रु ४ २ ल ४ २ रा व ति २ रो व वि २ ॐ २ म म्म क्क दि नि रु ट  
 जा २ का २ क रु २ मो ड २ ॐ ३ रु ट ३ ॐ ३ म म्म म म्म रि घा त रु न २ ऊं ३ रु  
 ट ३ ॐ रु ट ३ न म ४ खा रु ॥ ॐ नि ह द य वि घा ॥ ॥ त ना आ ह वृ जा ॥ ॐ ॐ क  
 न यू ग म्म अ त ना य न म ४ ॥ ॐ ॐ उ ना यू ग म्म अ त ना य न म ४ ॥ ॐ ॐ दारु ल म्म अ त ना

य न म ४ ॥ ॐ ॐ क ति यू ग म्म अ त ना य न म ४ ॥ ॐ ॐ म (धुयव) धु किलि यू ग म्म अ त ना य न म ४ ॥ ॐ ॐ य रु ध  
 द म्म अ त ना य न म ४ ॥ ॐ ॐ गाम व द म्म अ त ना य न म ४ ॥ ॐ ॐ अ थ व व द म्म अ त ना य न म ४ ॥  
 ॐ ॐ ॐ द म्म अ त ना य न म ४ ॥ ॐ ॐ अग्नि म्म अ त ना य न म ४ ॥ ॐ ॐ य म म्म अ त ना य न म ४ ॥  
 ॐ ॐ ने म य म्म अ त ना य न म ४ ॥ ॐ ॐ व नू ध म्म अ त ना य न म ४ ॥ ॐ ॐ वा यू य म्म अ त ना य न  
 म ४ ॥ ॐ ॐ ऊ व न म्म अ त ना य न म ४ ॥ ॐ ॐ वी ण न म्म अ त ना य न म ४ ॥ ॐ ॐ उ र्ध म्म अ त ना  
 य न म ४ ॥ ॐ ॐ अ द म्म अ त ना य न म ४ ॥ ॐ ॐ हृ दि म्म अ त ना य न म ४ ॥ ॐ ॐ हि ति म्म अ त ना य  
 न म ४ ॥ ॐ ॐ सी तान म्म अ त ना य न म ४ ॥ ॐ ॐ अ ना क क म्म अ त ना य न म ४ ॥ ॐ ॐ रा रा



[illegible]



















रत्नाकलसाचनं ॥ ॐ शंखः ॥ अश्वत्थरुट् ॥ ॐ वीरकावन कनकन्यास ॥ पूजन ॥ नृ  
धनसकलादि ॥ ॐ शंखः ॥ वृषासनायनमः ॥ नृधन ॥ धृष्टरुतिकर्षकार्त्तुनि  
पुत्रदमोलिनं । वनदारयदरुक्षः । मूडामालायदुर्ब ॥ ॐ वीरकावन कनकन्यास  
वैकामरुलयद ॥ ॐ तिष्ठान ॥ ॐ शंखः ॥ मूर्त्युजययस्यैषु कलसमूर्त्यनमः ॥  
ॐ शंखः ॥ गंगायनमः ॥ ॐ शंखः ॥ यमुनायनमः ॥ ॐ शंखः ॥ कावेर्यनमः ॥ ॐ शंखः  
॥ कोसकीनमः ॥ ॐ शंखः ॥ गन्धकीनमः ॥ ॐ शंखः ॥ नर्मदायनमः ॥ ॐ शंखः ॥ आ  
यमूर्खीनमः ॥ ॐ शंखः ॥ सिन्धुवनमः ॥ ॐ शंखः ॥ सप्तस्येनमः ॥ ॐ शंखः ॥ कोसकी

नमः ॥ ॐ शंखः ॥ कावेर्यवायेनमः ॥ ॐ शंखः ॥ कावेर्यवायनमः ॥ ॐ शंखः ॥ दक्षार्थवा  
यनमः ॥ ॐ शंखः ॥ दक्षार्थवायनमः ॥ ॐ शंखः ॥ सप्तार्थवायनमः ॥ ॐ शंखः ॥ वीरार्थ  
वायनमः ॥ ॐ शंखः ॥ सप्तार्थवायनमः ॥ ॐ शंखः ॥ दक्षार्थवायनमः ॥ ॐ शंखः ॥ श्रीक  
र्णायनमः ॥ ॐ शंखः ॥ गङ्गायनमः ॥ ॐ शंखः ॥ अनकायनमः ॥ ॐ शंखः ॥ सादार्क  
यनमः ॥ ॐ शंखः ॥ यिज्ञायनमः ॥ ॐ शंखः ॥ अग्निरायनमः ॥ ॐ शंखः ॥ एकयादाय  
नमः ॥ ॐ शंखः ॥ यज्ञायनमः ॥ ॐ शंखः ॥ ॐ कूलवृक्षमहासनसिमादिनी सक  
लार्थमलुदवता कलागत्वाधियगय ॥ ॐ शंखः ॥ ॐ कूलवृक्षमहासनसिमादिनी सक  
लार्थमलुदवता कलागत्वाधियगय ॥ ॐ शंखः ॥ ॐ कूलवृक्षमहासनसिमादिनी सक







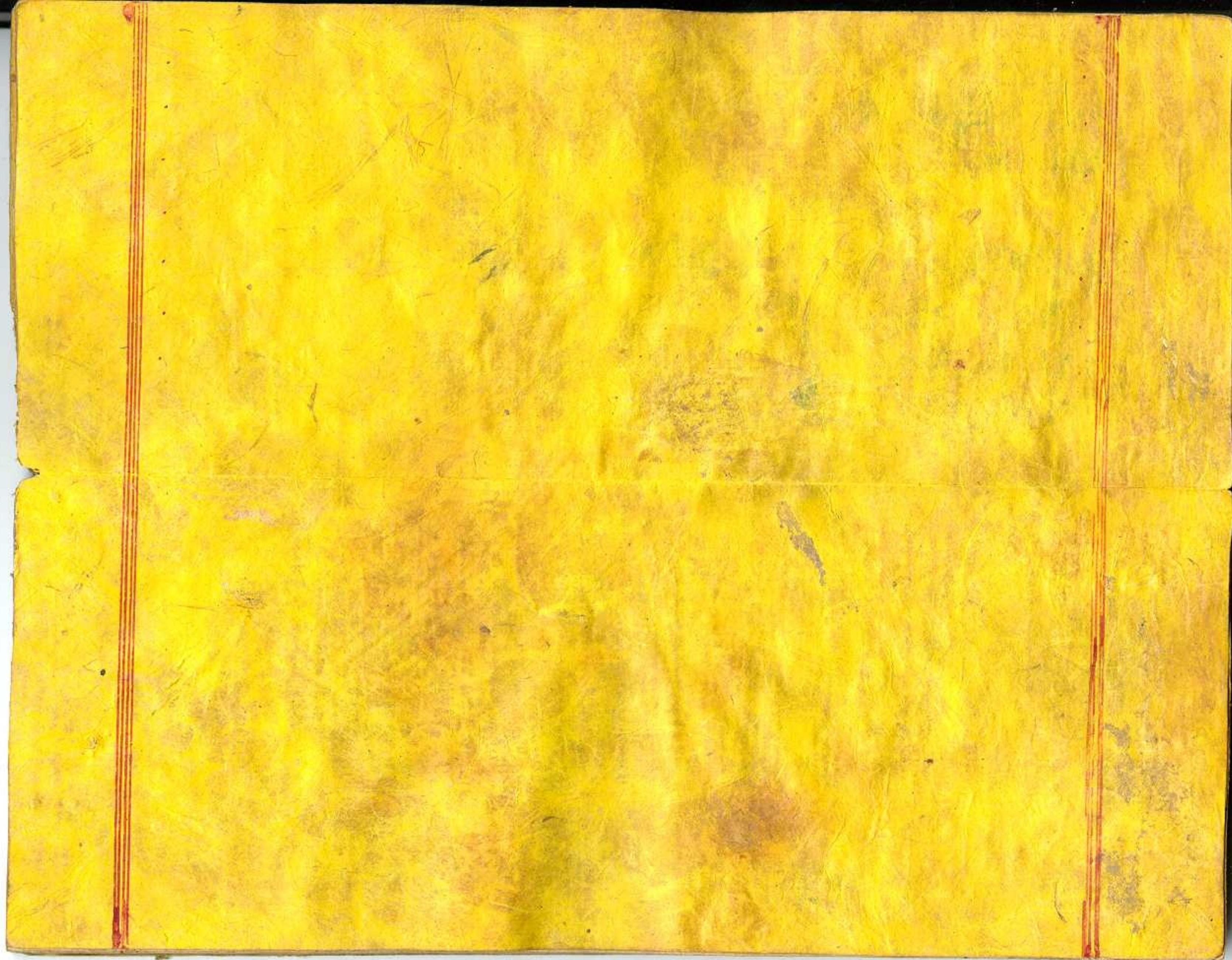
(गन्धनी चतुर्थी ०) यामकालि मार्गगिनिरीमकालि कामयुयिलि सिद्धकालि यूथुगि  
 निचन्द्रकालि जालेश्वर चतुर्कालि उठियाननककालि सर्वसमयलारी कून् २ स  
 सिद्ध सुयसन २ गीयसन २ हंस ४ २ स २ हि २ झांझं वाहि २ काहि २ खाहि २ खं  
 झं लोखोखोला ०० हं हं वां झांझं झांझं सायद हं हं हं श्रमायाद ॥ नूडमकुयूजन ॥ ॥  
 झां झां झां कलकुरुहटालिकाययाइकां ॥ शिवा ॥ षडंग ॥ वलि ॥ वावूभीमल  
 विद्यानयूजय ॥ वरुनयूजय ॥ नवाकनी ॥ शारुभाकनी ॥ ॥  
 शियाऊलि ३ ॥ वलि ॥ पुकधय कसधय माचनविद्यायाऊय ॥

श्रावाक यानिमूडा ॥ जायसे ॥ १० ॥ झांझ ॥ समूडमथमानु झांझोसागवा रु  
 म ॥ गतायुसुनादवी कन्यकावूयधनिनी ॥ श्रद्धादगुजादवी द्युतिनालाद  
 नेयूना ॥ योकासुवकुवकुव छदवकुवियाधुना ॥ (गमूर्णदीनवकुञ्ज ककु  
 वकुयवाधुना ॥ गमूर्णसुनात्रियं दवानांमयिइल्लरं ॥ यासुनासाउमादवी या  
 मय ४ सामरुधन ४ ॥ यावकुसातवकुका यागध ४ सजनादन ४ ॥ हं हं यांमल  
 थादवी ऊवमधुसुनव ४ ॥ रुनगंमसमाख्याना घटल्लसकसागवा ४ ॥ (गमूर्  
 णीरववकुयां गंरवकुमहागल ॥ दवानांनकधार्थय दद्यानांनानासनायच ॥



अनकघटसूत्रं जायतदद्याध्वनं ॥ अगंवादिवाकनसुह ॥ इति कुरु य  
जा ॥ ७ ॥ ॥ समन् ८०८ मार्जनिलगुक्क ४ धक्कसंयुष्टुमिति ॥ लिखितके मा  
वायनावायधन गुरममुसर्वका ॥ रावाधियातिनमु ॥ गुर ॥ १ ॥ ॥















॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥











॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥  
 कथं वदन्ति त्वं शशि ॥ मया वदन्ति त्वं शशि ॥  
 उद्धृतं काष्ठं गच्छति ॥ अग्निं प्रज्वालयेत् ॥  
 धूपं च दद्यात् ॥ यथा हविर्ब्रह्मा ॥  
 इति श्रीभक्तिसहितप्रदीपे ॥



ز ز ز



[illegible]



ASHA ARCHIVES  
889  
Rajbansh Halls  
ASHA ARCHIVES